A–0614

Total Pages : 3 **Roll No. .....**

MAJY-508

MA Jyotish (MAJY)

ग्रहण, वेध-यन्त्र तथा गोल परिचय-02

Examination February, 2026

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट :– यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (2×19=38)

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. वर्तमान समय में वेध की आवश्यकता पर प्रकाश डालिए।

2. सम्राट यन्त्र का परिचय एवं महत्व बताइए।

3. चन्द्रगहण के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

4. वराहमिहिरकालीन वेध के स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

5. दृष्टिवेध और यन्त्रवेध को परिभाषित करते हुए अन्तर स्पष्ट कीजिए।

खण्ड–ख

लघु उत्तरीय प्रश्न (4×8=32)

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. सूर्यादि वारों के नामकरण के आधारभूत सिद्धान्तों का विवेचन कीजिए।

2. वित्रिभ लग्न एवं दृक्क्षेप का परिचय दीजिए।

3. किन्हीं **दो** देशों के मध्य स्थानीय समयान्तर में अक्षांश एवं देशान्तर की भूमिका स्पष्ट कीजिए।

4. भुज एवं कोटिचाप क्या है ? परिभाषित कीजिए।

5. रेखा देश से आप क्या समझते हैं ? इसके महत्व को बताइए।

6. दिग्ज्या एवं दृग्ज्या में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

7. विषुवांश एवं भुजांश का परिचय तथा महत्व को बताइए।

8. सूर्य के अयन परिवर्तन का विवेचन कीजिए।

****